● **सुनो और अभिनय करते हुए गाओ :**

९. नीम

ना मैं डॉक्टर, ना मैं ओझा,
ना मैं वैद्‌य-हकीम ।
मैं तो केवल एक पेड़ हूँ,
नाम है मेरा नीम ।

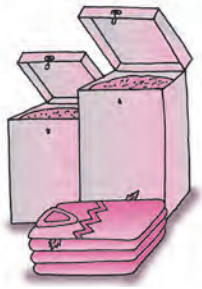

मेरी सूखी पत्ती डालो,
ऊनी कपड़े, अनाज बचा लो ।
सूखी पत्ती के धुएँ से,
मक्खी-मच्छर दूर भगा लो ।

घनी पत्तियों के कारण,
शीतल है मेरी छाया ।
गरमी और थकान मिटी,
जो मेरे नीचे आया ।

नहीं काटना मुझको तुम,
मैं इतने सुख दे देता ।
सूरज की किरणों से मिलकर,
हवा शुद्‌ध कर देता ।

सूरज, तारे, धरती, चाँद की,
जब तक चले कहानी ।
हमेशा सबको सुख देने की,
है मैंने मन में ठानी ।

– लता पंत

JF9NHQ

कोष्ठक में दिए वर्णों से रिक्त स्थान भरो : (ड़े, णों, की, ना, मैं, थ, सू, हा, कि)

— ने, कप — , ह — म, अ — ज, — कान, —रज, क — नी, — र — ।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का वाचन करें । विद्‌यार्थियों से साभिनय मुखर वाचन करवाएँ । भूत-प्रेत, ओझा जैसे अंधविश्वास पर चर्चा करते हुए विद्‌यार्थियों को इनसे दूर रहने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहें ।